विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 2 से 8 अक्तूबर 2025 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 19 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जिंदगी का दिन,समय किसीको नहीं पता रहता है. लेकिन इसके बाद भी अमर होने के चलते में सुबह से लेकर रात्रि तथा जीवनभर दूसरों को दुख देने का प्रयास करता है. अंत में एहसास होने पर लाचार रहता है. जीते जी ही किसी को हंसाने का प्रयास करने पर कभी भी अंतिम समय रोने की नौबत नहीं आएगी. सदा खुश रहें और अन्यों को भी खुशी देने का प्रयास करें.

इस बार बाजार में छप्परफाड़ धन आएगा

महंगाई भत्ता,बोनस, जीएसटी की सौगातों से त्योहारी मौसम होगा जमकर गुलजार

विदर्भ स्वाभिमान,1 अक्तूबर

नई दिल्ली/अमरावती- इस बार सरकार की उदार नीतियों डीए-बोनस और जीएसटी में दी गई सौगात के कारण बाजार त्योहारी सीजन में मुस्कराने और गुलजार होने के संकेत मिले हैं. बहुत संकेत ऐसे हैं कि त्योहारों के दौरान बाजारों में धन की बारिश होगी. अमरावती सहित समूचे देश में बाजार मुस्कराने के साथ ही बड़े पैमाने पर खरीदी होने के कारण बाजार में आर्थिक मजबूती आने वाली है. अमरावती में नवरात्रि के दौरान बड़े पैमाने पर खरीदी ने इस बात को साबित किया है. यही स्थिति दीपावली के दौरान भी रहने

की संभावना जताई जा रही है जिनसे यह रूझान तय नहीं है, लेकिन मजबूत संकेत दिखाई दे रहे हैं.उपभोक्ता आत्मविश्वास बढ़ा है.भारत में उपभोक्ता भाव जुलाई 2025 में 1.8 फीसदी बढ़ा. यानी लोग अपनी वित्तीय स्थिति और खर्च करने की क्षमता को बेहतर महसूस कर रहे हैं.एक सर्वे के अनुसार, 92ऽ भारतीय इस साल त्योहारों पर खर्च को बनाए रखने या बढ़ाने का इरादा रखते हैं. विदर्भ स्वाभिमान ने बाजार का निरीक्षण करने पर पाया कि इस साल राज्य तथा केन्द्र सरकार की नीतियों के कारण बाजार के लिए बेहतरीन माहौल है. आर्थिक एवं नीतिगत सहारा भी इसका कारण बना है.इस बार की दीपावली धनवर्षा वाली दीपावली साबित होने वाली है. इसको लेकर बाजार में जबर्दस्त उत्साह वाली स्थिति रहेगी. निश्चित तौर पर दीपावली के बाद बाजार में जिस तरह से खुशियां आने वाली है, उसका लाभ सभी को होगा. निजी तौर पर यह दीपावली सभी के लिए कारगर रहे, यही कामना की जा सकती है.

शेष पेज 2 पर

जिप,पंचायत समिति आरक्षण प्रक्रिया 6 से

विदर्भ स्वाभिमान, 1 अक्तूबर

अमरावती-जिले में जिला परिषद, पंचायत समिति चुनाव की आरक्षण प्रक्रिया 6 अक्तूबर से शुरू होने वाली है. सोमवार से आरक्षण प्रक्रिया शुरू होने जा रही है. जिप,पंस की प्रभाग रचना को अंतिम रूप मिलने के बाद से सभी को आरक्षण प्रक्रिया की घोषणा की थी. जो बुधवार को राज्य निर्वाचन चुनाव आयोग ने इस बारे में अधिसूचना जारी की है. 6 अक्तूबरय से शुरू हो रही आरक्षण तय करने की प्रक्रीया के तहत सबसे पहले एसटी-एससी के लिए आरक्षित सीटों का प्रस्ताव संभागीय आयुक्त को जिलाधिकारी द्वारा भेजा जाएगा. इसे मंजूरही मिलिने के बाद 10 अक्तूबर को आरक्षण के ड्रा की सूचना जारी कर 13 अक्तूबर को एसटी-एससी समेत महिला आरक्षण ड्रा निकलेगा.

बाढ़ पीड़ित बेटियों की शादी का खर्च उठाएगी शिंदे शिवसेना

विदर्भ स्वाभिमान,1 अक्तूबर

अमरावती/दिल्ली- मुंबई. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने घोषणा की है कि महाराष्ट्र में भारी वर्षा से तबाह हो गए किसानों की बेटियों के विवाह की जिम्मेदारी उनका संगठन उठाएगा. उन्होंने अपने शिवसैनिकों को इस काम में जुट जाने के निर्देश भी दिए. शिंदे ने यह घोषणा भी की कि वर्ष 2026 में शुरू होने जा रहा बालासाहेब ठाकरे का शताब्दी वर्ष शिवसेना जोरशोर से मनाएगी.एकनाथ शिंदे गुरुवार को मुंबई के नेस्को सेंटर में शिवसेना की परंपरागत रैली को संबोधित कर रहे थे. इस अवसर पर उन्होंने अपने विरोधी एवं शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे की

का जवाब देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में बाढ़ के हालात बनने के बाद से ही वह स्वयं एवं उनके शिवसैनिक किसानों के घर-घर जाकर उन्हें मदद पहुंचा रहे हैं.बाढ़ पीड़ित किसान परिवारों को उनके संगठन की ओर से 26 प्रकार की जीवनावश्यक वस्तुएं प्रदान की जा रही हैं. वह किसानों को पूरी मदद पहुंचाएंगे, और उनकी दीवाली काली नहीं होने दी जाएगी.

अच्छी मॉनसून फसल होने की उम्मीद जिससे ग्रामीण आय बढ़ सकती है.

सरकार द्वारा कुछ वस्तुओं पर जीएसटी (क्र्) में संशोधन या कटौती जिससे कीमतें अपेक्षाकृत कम हो सकती है और खपत पक्ष को प्रोत्साहन मिल सकता है.

4. ऑनलाइन खरीदारी का जोर

ऑनलाइन त्योहारों की बिक्री 2025 में फ़27ऽ की वृद्धि की संभावना है.

ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर क्र्ज (मोटे तौर पर कारोबार) इस वर्ष 1.15 लाख करोड़ रुपए पार कर सकता है.

क्विक कॉमर्स (तेजी से डिलीवरी) जैसे मॉडल त्योहारों पर तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं.

5. क्षेत्रीय और ग्रामीण खपत में

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय गोविंदा.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

स्वास्थ्य विभाग में संवेदनशीलता है जरूरी

स्वास्थ्य विभाग के लिए सरकार द्वारा करोड़ों रूपए खर्च करने के बाद भी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से लेकर जिला अस्पताल तक में क्या स्थिति है,यह गरीबों से बढ़िया कोई नहीं जान सकता है. यही कारण है कि बदलते समय में आज के दौर में जब महंगे अस्पताल में गरीबों के लिए जाना मुश्किल हुआ है तो वे सरकारी अस्पताल में पहुंचकर सही उपचार की अपेक्षा करते हैं. कुछ मामले में यह ठीक भी होता है. लेकिन अगर भाव से सेवा हो तो निश्चित तौर पर असर दिखाती है, सरकारी अस्पतालों में इसका ही अभाव है. आदिवासी बहुल मेलघाट क्षेत्र के स्वास्थ्य विकास पर करोड़ों रूपए सरकार द्वारा खर्च करने के बाद भी सप्ताह भर के भीतर दो माता की मौत ने स्वास्थ्य विभाग की सक्रियता पर सवाल खड़ा कर दिया है. प्रसूति के बाद आदिवासी महिला की मौत होने के बाद जहां स्वास्थ्य विभाग की सक्रियता को लेकर सवाल उठाए जा रहा है वहीं दूसरी ओर विभाग की संवेदनशीलता की कमी के कारण यहां पर गरीब आदिवासियों की जहां स्वास्थ्य सेवा में दिक्कत आ रही है वहीं कई बार प्रसूति के बाद महिलाओं की मौत की घटनाएं निश्चित रूप से कई सवाल पैदा करते हैं.मेलघाट में पिछले कुछ वर्षो के दौरान केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा करोड़ों रूपए गरीब आदिवासियों की सेवा के लिए दिए जा रहे हैं लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि आज भी गरीब आदिवासी महिलाएं समय पर उपचार नहीं मिलने से मर रही है. स्वास्थ्य विभाग में जब तक संवेदनशीलता नहीं आती तब तक इन गरीब आदिवासियों के भाग्य में बहुत अच्छे दिन आने की संभावना नहीं जैसी है. जनप्रतिनिधियों का दबाव प्रशासन पर नहीं है और पालक मंत्री द्वारा भी बार-बार बैठक में निर्देश देने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग अपनी कार्यप्रणाली नहीं बदल रहा है,इसे जिले का दुर्भाग्य कहना गलत नहीं होगा.स्वास्थ्य विभाग को चाहिए कि वह सरकारी योजनाओं का लाभ गरीब आदिवासियों को देने का प्रयास करें. जिंदगी और मौत भले ही डॉक्टर के हाथ में नहीं रहती है लेकिन जब कोई तड़पता हुआ मरीज किसी सरकारी अस्पताल में तड़पने के बाद भी उसकी स्ट्रेचर नहीं मिलता है तो यह साबित करता है कि मरीज के मामले में दवा खाने के कर्मचारी कितने संवेदनशीलहैं. मेलघाट टू अमरावती से बहुत दूर है इस सच्चाई से कोई इनकार नहीं कर सकता की अमरावती जिला अस्पताल में कई बार गंभीर किस्म का मरीज पहुंचने पर उसकी स्ट्रेचर नहीं मिलता है अगर स्ट्रेचर मिल गया है तो अस्पताल का कोई कर्मचारी उसे तड़पते हुए मरीज को कमरे में भर्ती करने तक ले जाने में शर्म महसूस करता है कई बार तो मरता क्या ना करता की तर्ज पर गरीब मरीज के परिजनों को स्ट्रेचर धकेलते हुए अपने प्रियजन को किसी कमरे में दाखिल करना पड़ता है.इस स्थिति के लिए निश्चित ही संवेदनहीनता ही जिम्मेदार कही जा सकती है. पालकमंत्री तथा सभी जनप्रतिनिधियों को चाहिए कि वह इस बारे में कुछ करें.

भारतीय न्याय का बजा विश्व में डंका

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

विश्व में कई क्षेत्रों में भारत का डंका बज रहा है. ऐसे में न्याय क्षेत्र की निष्पक्षता का डंका भी बजने लगा है. निश्चित तौर पर हर मामले में कमियां देखने वालों के लिए देश की यह उपलब्धि किसी से कम नहीं है. यह सभी भारतीयों के लिए जहां गर्व का विषय है, वहीं दूसरी ओर जाति,धर्म,पंथ,महिला अथवा पुरूष देखने की बजाय भारतीय संविधान की महानता के आधार पर यहां न्याय दिया जाता है. यह बात दीगर है कि पुलिस की कमजोरी के कारण कई बार गलती न्याय देने में भी होती है. लेकिन इसका प्रमाण नहीं समान है. हमारे सम्माननीय न्यायाधीश न्यायदान के मामले में विश्व में अनेक देशों की तुलना में निष्पक्ष होते हैं. अमेरिका में श्वेत-अश्वेत, बाकी कई देशों में जाति-धर्म के नाम पर फैसला होता है. लेकिन भारतीय न्याय व्यवस्था आरंभ से महान रही है, यहां सदा न्याय देने का प्रयास किया जाता है. भारत का लोकतंत्र समूचे विश्व में सम्मान की निगाह से देखा जाता है लेकिन अब न्याय क्षेत्र में भी भारतीय न्यायाधीशों को सबसे अधिक निष्पक्ष बताया गया है. यह निश्चित तौर पर हर भारतीय के लिए गर्व का विषय हो सकता है. दुनिया के कई देशों में न्यायिक पक्षपात दर्ज हुआ है अमेरिका में अश्वेत जूरी सदस्य होने से अश्वेत आरोपी की दोष सिद्धी दर घटती है. जबकि भारतीय न्यायाधीश कभी भी धर्म जाति व जेंडर के आधार पर न्याय देते समय किसी तरह का पक्षपात नहीं करते हैं यह बात विश्व स्तर पर किए गए एक सर्वेक्षण में ध्यान

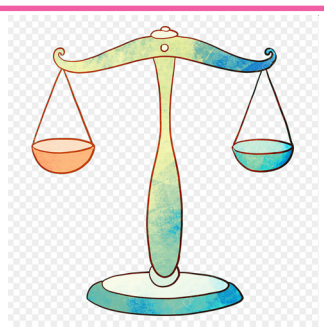

में आई है. आजादी के बाद से भारतीय न्याय व्यवस्था लगातार मजबूत होती रही है और यहां जाति धर्म अथवा पंथ के नाम पर कभी भी किसी जज द्वारा फैसला नहीं दिया गया है. भारतीय न्याय व्यवस्था के बारे में 7 करोड़ 7 लाख मामलों का डाटा ईटीएच, ज्यूरिक तथा इंपीरियल कॉलेज लंदन हार्वर्ड और डार्क माउथ कॉलेज के शोधकर्ताओं ने यह विश्लेषण किया. विशेषज्ञों ने भारतीय न्याय व्यवस्था का विश्लेषण करने के बाद इस नतीजे पर पहुंचे कि भारतीय जज निष्पक्षता के मामले में पूरे विश्व में सबसे आगे हैं.

पुरूष ही नहीं बल्कि भारतीय महिला जज भी निष्पक्ष रूप से फैसला देती हैं. मुस्लिम आरोपियों को मुस्लिम जज से राहत नहीं मिलती है. जाति या धर्म देखकर कोई भी न्यायाधीश फैसला नहीं करता है. जबकि दुनिया के कई देशों में न्यायिक पक्षपात दर्ज किया गया है. अमेरिका में अश्वेत जज इस समाज के आरोपियों को बरी करने के मामले में आगे रहते हैं. इसराइल के यहूदी व अरब जज फैसला देते समय भी अपने वाले को राहत देने का कार्य करते हैं. कीनिया और चीन में भी जातीय और लैंगिक पक्षपात के प्रमाण मिले हैं लेकिन भारत में पक्षपात पूर्ण फैसला होने की संभावना 0.6 प्वाइंट तक ही सीमित है. भारतीय न्याय व्यवस्था के लिए यह निश्चित तौर पर गर्व की बात है कि जिन पर न्याय का दारोमदार है, ऐसे जजों द्वारा निष्पक्षता के साथ फैसला दिया जाता है. भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का डंका पूरे विश्व में बज रहा है, अब न्याय क्षेत्र में निष्पक्षता निश्चित तौर पर भारतीय संविधान और इसका कड़ाई से पालन करने वाले लोगों पर जाता है. भारत हमेशा हर मामले में निष्पक्ष रहा है. अब न्याय के क्षेत्र में भारतीय जजों की विश्व भर में निष्पक्षता का डंका बजाना निश्चित तौर पर भारतीय न्याय व्यवस्था के लिए किसी गर्व से कम नहीं है. हम सभी भारतीयों को इस पर गर्व करना चाहिए. भारतीय न्याय क्षेत्र को मिले इस सम्मान के लिए निश्चित ही सभी भारतीयों के लिए गर्व का विषय है. इस मामले में किसी तरह का संदेह नहीं होना चाहिए.

मेहनत,समर्पण,सफलता के त्रिवेणी संगम थे

विदर्भ स्वाभिमान की स्व.अशोकभाई आहूजा को भावपूर्ण शब्द सुमनांजलि

प्रभु द्वारा दिए गए छोटे से जीवन में न जाने कितने उतार-चढ़ाव और कितने लोगों से संपर्क आता है, कोई अपना बन जाता है, कई बार अपना भी पराया हो जाता है. जो आया है, उसे एक न एक दिन जाना पड़ता है. लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं, आते भी शान से हैं और दुनिया से विदा भी अपने बेहतरीन कर्मों के कारण हजारों की आंखों को नम करते हुए होते हैं. प्रतिदिन अखबार के एक आधारस्तंभ अशोकभैया आहूजा भी ऐसे ही व्यक्ति थे. आहूजा परिवार सचमुच आदर्श परिवार कहना गलत नहीं होगा. चारों भाईयों की एकता और आपसी प्रेम निश्चित ही सराहनीय कहना चाहिए. काश दुनिया के सभी भाईयों में इसी तरह का प्रेम अपनापन हो तो दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं हो सकता है. अशोक आहूजा स्पष्ट वक्ता थे, कभी घुमा-फिराकर बोलने की बजाय स्पष्टता के साथ बोल देते थे लेकिन दिल में सभी के प्रति अपार प्रेम रहता था. उनके साथ दो चरणों में लगभग 17 साल तक काम करने का मौका मिला, इस दौरान ऊपरी सख्त लेकिन दिल के उनके कोमल होने का एहसास हुआ. इतनी जल्दी दुनिया से विदा लेने पर विश्वास नहीं हो रहा है लेकिन नियति के सामने

किसी की नहीं चली है. बचपन के संघर्ष से लेकर परिवार की आसमानी कामयाबी में उनका महत्वपूर्ण स्थान अंतिम समय तक रहा. उनकी मेहनत,काम के प्रति समर्पण और तय लक्ष्य हासिल करने की जिद निश्चित तौर पर अनुकरणीय थी. 24 घंटे में 16-18 घंटे काम केबाद भी उनके चेहरे की मुस्कराहट युवाओं को भी प्रेरणा देने का काम करती थी.कहते हैं कि जीवन का वास्तविक सौंदर्य संघर्षों से निखरता है. जिस प्रकार सोना आग में तपकर अधिक चमकदार और मूल्यवान बनता है, उसी प्रकार मनुष्य भी कठिनाइयों, असफलताओं और चुनौतियों के बीच तपकर अपने व्यक्तित्व को महान बना सकता है.

संघर्ष हमें धैर्य, सहनशीलता और आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाता है. कठिनाइयों से भागने वाला व्यक्ति कभी अपनी क्षमता को नहीं पहचान पाता, परंतु जो व्यक्ति उनका सामना करता है, वही अपने भीतर छिपी असीम शक्ति को जागृत करता है. अशोक भैया असीम शक्ति के योद्धा थे. गरीबी में कम नहीं आंकने के साथ अमीरी में उनकी विनम्रता भी उतनी ही बेहतरीन थी. गलत को गलत बोलने में जहां संकोच नहीं करते, वहीं सहयोगियों के साथ अपनत्व सदा रखते थे. यही कारण है कि उनकी अंतिम यात्रा में हजारों लोग पहुंचे और सैकड़ों की आंखें नम थी, इससे बड़ा पुण्य भला क्या हो सकता है. जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव हमें परखते हैं. ये हमें बताते हैं कि वास्तविक मूल्य उन्हीं का होता है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी स्थिर रहकर आगे बढ़ते हैं. संघर्ष का प्रत्येक अनुभव हमें और अधिक परिपक्व, जिम्मेदार तथा मजबूत बनाता है.जीवन में आदर्श और प्रेरणादायी व्यक्तित्व अशोक भैया आहूजा मेहनत,समर्पण और सफलता के त्रिवेणी संगम थे,उनका जाना आहूजा परिवार की अपूरणीय क्षति है. विदर्भ स्वाभिमान परिवार की विनम्र आदरांजली. प्रभु उन्हें अपने चरणों में स्थान दें, यही कामना.वे सदा स्मृतियों में रहेंगे.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

उम्र पर हावी युवा समाजसेवी डॉ. गोविंद कासट

जन्मदिन 7 अक्तूबर पर विशेष, हजारों की बेहतरीन चेन से करते हैं सेवा कार्य,लोग जुड़ते गए....

शहर में समाजसेवा के क्षेत्र में डॉ.गोविंद कासट मित्र मंडल का कार्य निश्चित ही प्रेरणादायी है. इसके कर्ता-धर्ता डॉ.गोविंद कासट स्वयं उम्र पर भी भारी साबित होने वाले व्यक्ति हैं. डॉ.गोविंद कासट को सफारी वाले गाड़गेबाबा कहा जाता है. वे सामाजिक कामों में जितने समर्पित हैं, वहीं हजारों लोगों का सेवाभाव के लिए विश्वास जीतने में भी सफल रहे हैं. विदर्भ स्वाभिमान परिवार तथा गोविंद कासट मित्र मंडल द्वारा 7 अक्तूबर को उनके जन्मदिन पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, सेवा का दीपक यूं ही अखंड जलता रहे, प्रभु चरणों में यही कामना.

ज़ीवन में बहुत कम लोग होते हैं जो अपने सांसरिक प्रपंचों के साथ समाज के बारे में सोचते हैं. लेकिन ऐसे भी लोग हैं, जिन्होंने पूरा जीवन सेवाभाव, लोगों की भलाई, दूसरों का अच्छा करने के संकल्प के साथ जिया है और जीते हैं.ऐसे ही लोगों में हैं लाखों लोगों के प्रेरणास्त्रोत, हजारों महिलाओं , दिव्यांगों , ग़रीबों की मदद कर उन्हें रोजगार देने वाले हम सभी के लिए गुरू नहीं बल्कि 80 वर्षीय महागुरू डॉ. गोविंद कासट. 12 डिग्री 172 के करीब किताबों के लेखक के साथ ही बहुगुणी व्यक्तित्व शब्द भी उनके लिए छोटा पड़ जाता है. गोविंद कासट मित्र मंडली आज शहर ही नहीं तो जिला और विदर्भस्तर की सेवाभावी मंडली के रूप में स्थान रखती है. उसका पूरा श्रेय उन्हें ही जाता है.उनका व्यक्तित्व जहां प्रभावी है, वहीं इसे समझने के लिए पीएचडी थेसिस या किताब कम पड़ जाए, ऐसा उनका व्यक्तित्व है. 80 वें जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार क़ी करोड़ों मंगलमय शुभकामनाएं. सफारी वाले गाड़गेबाबा के रूप में उनके मंडली जानती है. सेवा को समर्पण के साथ ही उनकी सक्रियता युवाओं को भी शर्मसार करने का ताकत रखती है. जीवन में सभी को केवल और केवल खुशियां बांटने वाले फिल्मों के शौकीन डॉ. कासट कहते हैं कि जिस काम से मन को संतुष्टी मिले और खुशी मिले, उसे करना चाहिए. विद्वता,सम्पन्नता में भीउनकी विनम्रता किसी को प्रभावित करती है. आज भी सुबह से लेकर रात्रि तक लगातार उपक्रम तथा सेवाभाव शुरू रहता है. अपने क्षेत्र के दिग्गज रहने के बाद भी डॉ. कासट का शब्द उनके लिए आदेश समान होता है. यह उनकी आत्मीयता और अपनेपन के साथ ही प्रेमलता का सबसे बड़ा उदाहरण है.सेवा की सक्रियता देखकर किसी को भी उनकी उम्र का विश्वास नहीं होता है. हजारों लोगों की मदद करने का कार्य सभी के सहयोग से किया है और आज भी करते हैं. आज के दौर में इतनी बड़ी टीम को संभालना और सभी में सेवाभाव की भावना पैदा करना मामूली बात नहीं है लेकिन डॉ. कासट इसमें सफल रहें हैं.अनुशासन के मामले में सख्त लेकिन दिल से निर्मल और कोमल रहते हैं.

मानवता की सेवा के सूत्र को जीवन का लक्ष्य बनाते हुए सदा इसी दिशा में उनका प्रयास रहता है. वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे, यह मैथिलीकरण गुप्तजी की कविता को मानो समाजसेवी डॉ. गोविंद कासट ने अपना सार बना लिया है. स्वयं सेवाभाव में दिनभर व्यस्त रहते हैं.शहर ही नहीं तो सेवाभाव के साथ ही मानव सेवा, दिव्यांग, गरीब और जरूरतमंद की सेवा के लिए सदैव अग्रणी रहने वाले डॉ. गोविंद कासट मित्र मंडल आज हजारों लोगों के दिलों में बसने वाला मंडल हो गया है.वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में हम सभी उनके जन्मदिन पर यही कामना करते हैं,सदा मुस्कराते रहें,यही कामना.

सुदर्शन गांग,बडनेरा

गुरूवार 02 से 08 अक्तूबर 2025

मेष-कैरियर / आर्थिक स्थितिः इस सप्ताह मेहनत रंग लाएगी. कामकाज में नए प्रोजेक्ट या प्रमोशन के अवसर मिल सकते हैं. लेकिन खर्चों पर काबू रखना ज़रूरी है. स्वास्थ्यः शुरुआत में थकावट महसूस हो सकती है, थोड़ी सी नींद पूरी करें. रिश्ते / परिवारः रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी; पारिवारिक सहयोग मिलेगा. लेकिन समय पर संवाद करना ज़रूरी है. सलाहः बड़े फैसले लेने से पहले सब पक्षों पर विचार करें. जल्दबाज़ी न करें.

वृषभ-कैरियर / आर्थिक स्थितिः यह सप्ताह स्थिरता वाला रहेगा. वरिष्ठों का समर्थन मिलेगा. आर्थिक मामूले ठीक रहेंगे, पर निवेश या बड़े खर्च करने से बचना श्रेयस्कर है. स्वास्थ्यः सामान्य रहेगा, लेकिन तनाव या भूख-पीक की अनियमितता से बचें. रिश्ते / प्यारः घर और परिवार में शांति बनी रहेगी, पर शब्दों का चयन सोच-समझ कर करें. सलाहः खर्चों का हिसाब रखें; जितना हो सके बचत की कोशिश करें.

मिथुन-कैरियर / आर्थिक स्थितिः धन आगमन के योग हैं. कुछ सौदे वप्रस्ताव मिलेंगे, परन्त जोखिम भरे प्रस्तावों से सावधानी बरतें. स्वास्थ्यः सामान्य रहेगा. बीच-बीच में एक्टिव रहें.रिश्ते / प्यारः पार्टनर के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं; संवाद से स्थिति ठीक होगी. सलाहः किसी नए अवसर की घोषणा लेने से पहले पूरी जानकारी जुटाएँ; निवेश करें तो भरोसेमंद सलाह साथ लें.

कर्क-कैरियर / आर्थिक स्थितिः पुराने अधूरे काम पूरे होने की संभावना; आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे सुधरेगी. लेकिन अचानक खर्च हो सकते हैं. स्वास्थ्यः मौसम और खान-पान का ध्यान रखें; पाचन संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं. रिश्ते / प्यारः पारिवारिक भूमिका बढ़ेगी; दोस्तों-परिवार से समय बिताना अच्छा रहेगा. सलाहः प्रदत्त जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दें; व्यर्थ विवादों से बचें.

सिंह-कैरियर / आर्थिक स्थितिः आत्मविश्वास बढ़ेगा; नए प्रोजेक्ट्स या विस्तार के अवसर मिल सकते हैं. अधिकारी आपकी क्षमताओं को देखेंगे. स्वास्थ्यः काम-थकावट हो सकती है; पर्याप्त आराम और नींद आवश्यक. रिश्ते / प्यारः घर में सम्मान और सहयोग मिलेगा. साथी से अच्छे संवाद होंगे. सलाहः अपनी ऊर्जा को संतुलित करें; काम और निजी जीवन में संतुलन स्थापित करना ज़रूरी होगा.

कन्या-कैरियर / आर्थिक स्थितिः भाग्योदय की संभावना है. मेहनत का फल मिलेगा, महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे. आर्थिक स्थिति सुधर सकती है. स्वास्थ्यः स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. लेकिन नियमित व्यायाम और संतुलित आहार जरूरी है. रिश्ते / प्यारः रिश्तों में मधुरता रहेगी; पारिवारिक आनंद प्राप्त होगा. मित्रों या बुजुर्गों से सहायता मिल सकती है. सलाहः सकारात्मक सोच रखें; किसी नई शुरुआत के लिए यह समय उपयुक्त है.

तुला-कैरियर / आर्थिक स्थितिः ऊर्जा व संकल्पशक्ति बढ़ेगी; नए अवसरों की ओर कदम हो सकते हैं. परंतु जल्दबाजी वाले फैसले टालें. स्वास्थ्यः बीच-बीच में थकान या असमंजस हो सकता है. विश्राम करें और ध्यान रखें. रिश्ते / प्यारः रिश्तों में भरोसा बढ़ेगा; पुराने झगड़े सुलझ सकते हैं. साथी का सहयोग मिलेगा. सलाहः वाणी में सौम्यता रखें, दूसरों की बातों को ध्यान से सुनें; भावनात्मक संतुलन महत्वपूर्ण होगा.

वृश्चिक-कैरियर / आर्थिक स्थितिः मेहनत का परिणाम मिलेगा. घरेलू जीवन और करियर के बीच संतुलन बनाए रखना होगा.स्वास्थ्यः मानसिक शांति की ज़रूरत है; ध्यान-मेडिटेशन लाभ दे सकता है. रिश्ते / प्यारः रिश्तों में भावनाएँ गहरी होंगी. परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है. सलाहः विश्लेषण करने से बचें, अहंकार या झूठे स्वख से दूरी बनाएं.

धनु-कैरियर / आर्थिक स्थितिः रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे; यात्रा या नए कौशल सीखने के मौके मिलेंगे. स्वास्थ्यः हल्की-फुल्की परेशानी हो सकती है; आराम पर ध्यान दें. रिश्ते/ प्यारः साथी के साथ कुछ तनाव हो सकता है; समझदारी से बातचीत लाभदायक होगी. सलाहः अपनी योजनाओं और प्राथमिकताओं को साफ़ रखें; जल्दबाज़ी में फैसले न करें.

मकर-कैरियर / आर्थिक स्थितिः करियर में उन्नति के अवसर, नए ऑफर या जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं. पर खर्चों पर नियंत्रण रखें.स्वास्थ्यः नींद और आराम पर विशेष ध्यान दें. काम के दबाव से दूरी बनाए रखें. रिश्ते / प्यारः पुराने मित्र या रिश्तेदार से मिलना संभव है, इससे मन प्रसन्न होगा. घर-परिवार में सहयोग बढ़ेगा. सलाहः जोखिम लेने से पहले पूरी तैयारी करें; संतुलित दृष्टिकोण रखना फ़ायदेमंद रहेगा.

कुंभ-कैरियर / आर्थिक स्थितिः पढ़ाई, इंटरव्यू, कोर्सेज़ आदि में सफलता की गुंजाइश है. बातचीत या प्रस्ताव लाभदायक हो सकते हैं. स्वास्थ्यः सामान्य रहेगा; पर मनोवैज्ञानिक तनाव से बचने के लिए ध्यानम-योग कर सकते हैं. रिश्ते / प्यारः पारिवारिक माहौल शांत रहेगा. साथी या मित्रों से अच्छे समय बीतेगा. सलाहः कागजी कामों, अनुबंधों आदि का दस्तावेज़ अच्छी तरह देखें; भरोसा योग्य लोगों से सलाह लें.

मीन-कैरियर / आर्थिक स्थितिः नए स्रोत से आय हो सकती है, या किसी मदद से लाभ मिलेगा. लेकिन अनियोजित खर्च होंगे, बैलेंस आवश्यक है. स्वास्थ्यः स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, पर जितना संभव हो तनाव को नियंत्रित करें. रिश्ते / प्यारः परिवार और दोस्त-रिश्तों में सुकून रहेगा; सामाजिक गतिविधियों में आनंद मिलेगा. सलाहः दिल की सुनें लेकिन पैरों को जमीन पर रखें; योजनाओं को ठोस बनाएं.मेहनत से सफलता निश्चित मिलेगी.

ज़य गोविंदा,जय गोविंदा,जय गोविदा

हठ योग में यम-नियम-आसन-प्राणायाम अष्टांग योग

गतांक से जारी-2. मध्य लक्ष्य

आंखों की दोनों पुतलियों को स्थिर करके मन से भ्रूयुग मध्य में घुसा कर उसके मध्य में रहने वाले सूक्ष्म बिल में प्रवेश करके देखने पर उसमें बिजलियाँ नक्षत्र शशि प्रभाएँ भूतति वर्ण आदि मिले चमकने का भाव पैदा होता है. इसके अतिरिरक्त सतत शून्य आकाश, निपट अंधकार से भरे महाकाश कालाग्नि से भरे पराकाश अधिक प्रकाशवान तत्वाकाश कोटि भानु तेज सूर्याकाश नामक ये पाँच आकाशों को देखने वाला तन्मय होकर निरावकाश के समान बनता है. यह मध्य लक्ष्य है. अब अंतर्लक्ष्य इस प्रकार है.

3. अंतर्लक्ष्य-अपावक चंद्रार्कव्याप्त पंचभूतवर्ण कलित अपज्योति बिल रूपाश्रय के रूप में प्रज्ञानवान को दिखाई देता है. वह नेत्रों के मध्य में परमाक्षर हिरण्य सच्चिदामृतांकुर गवाह होने से बाह्यांतर में देखते हुए नित्य सुख को प्राप्त करता है. वह अमृतांकुर युगल नायक बनकर स्पटिक रुचियों के साथ जीव को प्राप्त होता है. इस रहस्य को सग्दुरु के उपदेश क्रम में जान कर बाह्यांभंतर के बीच में श्रृंगाटक के पास ओं कार से दीपित नीवार शुंकाणु के रूप में रहनेवाले सगुण पंचक को देखना तारकांतर्लक्ष्य होता है. इससे बढ़कर सरस्वती नाडी चंद्रप्रभावित होकर मूलकंद के पास रहत दीर्घास्ति मध्य में तंतु के रूप में विद्युतकोटी के रूप में प्रकाशित होता है. वह ब्रह्यरंध

तक व्याप्त होकर ऊर्ध्वगामिनी होकर सर्वसिध्दिप्रद बनता है. उस स्वरूप को आत्मा के अंदर अनुभव करते हुए फालोर्थ मंडल में स्वरूप के अंदर लक्ष्य को रख कर देखना ही परमांतर्लक्ष्य है. सदा भवतारक्य अभ्यास करने से मन में मारुत अंतरंग में निर्मग्नत्व को प्राप्त करता है. उसके अनुकूल अंतरात्मा परमात्मा के आनंद को प्राप्त करती है.अब अनुनस्क योग के बारे में बताऊँगा. सुनो.

3. अनुनस्क योग (शांभवी मुद्रा)-आत्माश्रय को हंस मार्ग के दाएँ और बाएँ ललित नील कांति से उदक ज्योति में भास्वर दर्पण छाया के होने से वह दीपित होकर उसके मध्य में सूक्ष्माति सूक्ष्म सुषिर को मन में लाने से अंतर्लक्ष्य बाह्य घ्रष्टि के रूप में अवगत होता है.वही घन शांभवी मुद्रा है. दो यामों तक बैठकर इसका अभ्यास करने से मन में अनिल गति प्राप्त होती है. एकाग्र भाव भी पैदा होता है.

राजयोगी का अपूर्व अनुभव- सुनने को बोलने को विविध विचित्र विचारों को अपने आपमें ही रोककर परमात्मा के अंदर की अंतरात्मा के बारे में विचार करते हुए उसी में लीन होने से महादीप के रूप में ज्ञान प्राप्त होता है. उससे अंदर ही एक रूप एक नाद सुनायी देना ही खेचरी मुद्रा है. तब अचलित आनंद के अनुभव करते हुए वर मनोन्मनी तन्मय अवस्था को प्राप्त करके चलनरहित मन को प्राप्त करता है. वह राजयोगी तब अजाड्या निद्रा और योग निद्रा दोनों को प्राप्त करता है.

ऐसे राजयोगी को जागृत स्वप्नन सुषुप्ति तुर्य तुर्यातीत नामक पाँचों अवस्थाएँ होती हैं . वे कौन-सी हैं जतुर्विंशति तत्वात्मक देह अपने व्दारा नहीं देखे गए पंचविंशक देह को जानकर सावधान होता है.मन को इंद्रीय बृंद के साथ आत्मा को खड़ा करके ध्यान करने से उस के मन में सर्वविषय वासनाएँ दूर होकर बहिर्मुख में सपने की तरह उसे अपने आप में ढूँढ़ता रहता है. इसे अभ्यास करने वाला मन मायाजाल में न पड़कर यह मायाजाल अनित्य मानते सत्य वस्तु को प्राप्त करता है. उसका मन बहिज्ञप्ति के व्दारा इसे बोध कराना ही सुषुप्ति है.

जीवेश्वर भाव को प्राप्त करनेवाली आत्मा में स्थिर मन बाह्यभाव रहित बनकर पर को प्राप्त करता है. इस प्रकार पुरुष और पुरुष और पुरुषोत्तम उभय भावों की चेतना को प्राप्त करता है. मन में विषय-विसना विमुख होकर सर्वेंद्रीय व्याप्त से देहभिमान को छोड़ दोता है. विरक्ति भाव में सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर आत्मानुभव से अमृत को प्राप्त करता है.तब वह तन्मयत्व और स्वतंत्र को खोकर आत्मा परतंत्र बनती है. तब जीव स्वतंत्र होकर ईश्वर के अधीन होते समय उसमें ईश्वर का भाव सत्य हो जाता है. तब सर्वव्याप्ता सर्वेश्वर पर मन केंद्रित होता है. ज़ीवन में प्रभु गोविंदा के तीर्थक्षेत्र तिरूपति की महिमा के लिए शब्द कम पड़ जाएंगे लेकिन मन,भाव से जिन्हों ने प्रभु को पूजा और मन से पूजा-अर्चना तथा भक्तिभाव समर्पित किया है, उनका जीवन स्वामी ने खुशियों से न केवल भर दिया है, बल्कि वे प्रभु के उपकार बताते हुए भावुक हो जाते हैं. कुल मिलाकर भाव है तो ही देव दिखाई देते हैं. वर्ना ज़ीवनभर नहीं मिलते.

शेष अगले अंक में

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

विद्वता,विनम्रता-सम्पन्नता के त्रिवेणी संगम

योगगुरू डॉ.राजू डांगे के जन्मदिन पर विशेष,हजारों की जिंदगियां संवारा

शहर ही नहीं तो योग के क्षेत्र में विश्वस्तर पर सुख्यात डॉ. राजू डांगे जितने बेहतरीन व्यक्ति हैं, उससे भी अधिक सम्पन्नता में भी विद्वता और विनम्रता के त्रिवेणी संगम हैं. उनके 3 अक्तूबर को जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं. उच्च विद्याविभूषित रहने के बाद भी उनकी विनम्रता निश्चित ही सभी को प्रभावित करती है. अंतर्राष्ट्रीय योग विशेषज्ञ के साथ ही लगभग 14 डिग्रियां रखने वाले डॉ. राजू रामराव डांगे जहां राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक के रूप में सेवाएं देक़र अमरावती का नाम रोशन कर रहे हैं.डॉ. गोविंद कासट मित्र मंडली के सक्रिय सदस्य, सुख्यात मंच संचालक के साथ ही अनगिनत खूबियां उनके पास हैं. लेकिन इसके बाद भी जिस तरह से वे विनम्रता से बात करते हैं और सभी को सम्मान देते हैं, वह निश्चित ही उनसे लेने वाला

गुण हैं.डॉ. राजू डांगे जहां खुशमिजाज व्यक्ति हैं, वहीं मानवता की सेवा के साथ ही मानव धर्म को सदैव अत्याधिक महत्व देते हैं. उनका कहना रहता है कि अगर हम किसी का अच्छा नहीं कर सकते हैं तो कम से कम बुरा सोचने का भी हमें अधिकार नहीं है. ग्रामगीताचार्य के साथ कुल 14 डिग्रियां उनके पास रहने के बाद भी कभी कोई गर्व नहीं रहता है.बीएससी कम्प्यूटर, बीए मूल्य शिक्षा, एमएसडब्ल्यू के साथ ही योग तथा कम्पुनिकेशन में एमए, स्वास्थ्य शिक्षा के साथ ही 4 अलग-अलग विषयों में उन्हों ने पीएचडी की उपाधि हासिल की है. लेकिन उनसे मिलने और उनके व्यवहार को देखकर कोई भी अंदाज नहीं लगा सकता है कि अमरावती का यह बंदा इतनी पहुंची हुई हस्ती है. वे कहते हैं कि सम्मान देने वालों को ही सम्मान प्राप्त होता है. मैं जब हर व्यक्ति को सम्मान देता हूं तो निश्चित तौर पर हर व्यक्ति से मुझे सम्मान ही मिलेगा. बचपन से ही माता-पिता के आदर्श संस्कार, राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज के आदर्श विचारों का असर उनके जीवन पर पड़ा है. वे कहते हैं कि जीवन में जो लोग अन्यों की खुशियों का विचार करते हैं, उनकी खुशियां कभी कम नहीं होती हैं. वे सादगी, सम्पन्नता के धनी हैं. उन्हें जन्मदिन पर ढेरों हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

अंतर्राष्ट्रीय योग विशेषज्ञ,उच्च विद्याविभूषित,सेवा,समर्पण और मानवता की सेवा में अग्रणी सभी के चहेते

डॉ.राजू रा.डांगे सर

को जन्मदिन पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं, आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही कामना.

शुभेच्छुक-विदर्भ स्वाभिमान परिवार,डॉ.राजू डांगे मित्र मंडल,अमरावती.

गरबा के रंग में खो गया नवरात्रि में देवरणकर नगर क्षेत्र

विदर्भ स्वाभिमान, 1 अक्तूबर

अमरावती-जिले में नवरात्रि का पर्व अपार भक्तिभाव से मनाया गया. इस उपलक्ष्य में यहां देवरणकर नगर स्थित श्री जनार्दन स्वामी महिला दुर्गोत्सव मंडल तथा कलासाधना बहुउद्देशीय संस्था की प्रमुख रेखा रिणवा शेंद्रे, सतीश शेंद्रे के प्रयासों तथा मुख्य यजमान चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया, समाजसेवी तथा राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारी कमलकिशोर मालानी के मुख्य यजमान पद में 9 दिनों तक मां की आराधना की गई. इस कार्यक्रम में संपादक अनिल अग्रवाल, पूर्व सांसद भाजपा नेत्री नवनीत राणा, विधायक रवि राणा, एड. प्रशांत देशपांडे, सुधा तिवारी के साथ ही शहर पवन जाजोदिया, अंचल जाजोदिया, संपादक सुभाष दुबे,विजय शर्मा, अर्पिता जाजोदिया, विजय सामरा,गजेन्द्र हर्षे, लवीना हर्षे, मेघा हिंगासपुरे, श्याम हिंगासपुरे,जगदीश जयस्वाल, अमिता जयस्वाल, उमेश, राकेश श्राफ, जयप्रकाश रिणवा, पूनम रणिवा, अशोक जाजू, नानकराम नेभनानी, मनीष चौबे, सुरेखा लुंगारे, गंगा खारकर, श्रद्धा गहलोद, पुष्पा लांडगे, स्वाती कुलकर्णी , आरएसएस की दर्शना जैन,अंकिता साहू सुरेश रतावा, जीतू दोशी सहित रोज सैकड़ों की संख्या में महिलाओं और क्षेत्रवासियों ने इसका लाभ लिया. इस मौके पर आयोजकों द्वारा विजेताओं को सम्मानित करने के अलावा कईयों को पुरस्कार प्रदान कर उनके हाथों सम्मानित किया गया. देवरणनगर क्षेत्र इस आयोजन के कारण माता भक्ति से ओतप्रोत हो गया.

सैकड़ों का सम्मान, बेहतरीन आयोजन की सभी ने की सराहना

9 दिनों से अधिक चले कार्यक्रम में सतीश शेंद्रे,रेखा रिणवा के साथ ही शेंद्रे परिवार के सभी सदस्यों ने जहां जी-जान से प्रयास किया, वहीं दूसरी ओर सहयोगियों की भागदौड़ निश्चित तौर पर सराहनीय कही जा सकती है. युवाओं के साथ ही बड़ी संख्या में युवतियां और माता भक्त युवक भी माता-रानी की सेवा में भागदौड़ करते हुए देखे गए. सैकड़ों की संख्या में महिलाएं, युवतियों ने नवरात्रि का जमकर आनंद उठाया. इसमें विजेताओं को मान्यवरों के हाथों पुरस्कार देकर मौके पर ही सम्मानित किया गया. गरबा में बेहतरीन प्रस्तुती के लिए वीणा दुबे का भी अतिथियों के हाथों सत्कार किया गया. देवरणकर नगर में इस बार का यह आयोजन सभी के लिए जहां यादगार रहा, वहीं दूसरी लप्पीभैया, कमलकिशोर मालानी के साथ सभी प्रायोजकों का भी शेंद्रे दम्पति ने आभार माना और सभी की स्वस्थ उत्तरोत्तर प्रगति की कामना माता रानी के चरणों में की.

विदर्भ स्वाभिमान
मानवधर्म,माता-पिता सेवा को बढ़ावा देने वाला लोकप्रिय अखबार

यहां एजेंसी देना है

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान की धारणी, चिखलदरा, परतवाड़ा, दर्यापुर, अंजनगांव सुर्जी में एजेंसी देना है. इसके साथ ही यहां पर मेहनती युवकों की जरूरत है, जो विज्ञापन लाने और वसूली करने में सक्षम हैं. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें. समाचार पत्र में केवल मेहनती युवक-युवती ही संपर्क करें, जिन्हें अपनी मेहनत के भरोसे कामयाबी प्राप्त करने की चाहत हो. विज्ञापन प्रतिनिधि बनकर बेहतरीन कमाई का मौका भी है. दिलचस्पी रखने तथा मेहनत के साथ ही स्वयं का वाहन रखने वाले ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे
मोबाइल 9423426199/8855019189
www.vidarbhswabhiman.com

खुशियों के हर प्रकार के रंग

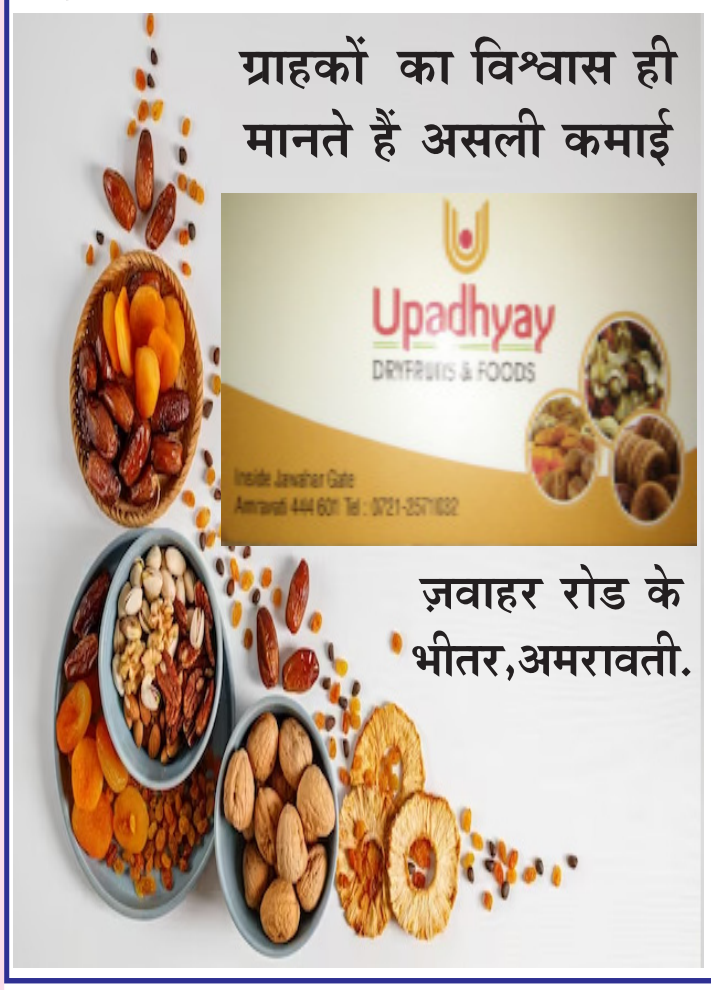

विदर्भ स्वाभिमान
RNI NO. MAHMIN / 2010 /43881
संपादक : सुभाषचंद्र दुबे
प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

साईंनगर में विकास की आंधी,5 करोड़ के काम शुरू

सचिन भेंडे क़े प्रयासों से प्रभाग में बह रही विकास की गंगा, रास्ते, नाली के साथ बगीचा विकास

अमरावती- महानगर पालिका चुनाव को भले ही समय है लेकिन आदर्श नगरसेवक बनने के लिए इस बार मैदान में उतरने वाले सचिन भें डे प्रभाग में विकास की लगातार गंगा बहा रहे हैं. विधायक रवि राणा तथा नवनीत राणा के मार्गदर्शन में 5 करोड़ रूपए के विकास कामों की शुरूवात भी उन्हों ने की. इसमें साईं नगर प्रभाग के संतुलित विकास को महत्व दिया गया है. उनके विकास की आंधी को देखकर लोगों में भी उनके प्रति सकारात्मक सोच बन रही है और भविष्य के नगर सेवक के रूप में उन्हें देखा जा रहा है. को युवाओं की चाहत जहां माना जा रहा है वहीं दूसरी ओर साईनगर प्रभाग के नागरिक उनके जैसे युवा नगर सेवक की जरूरत मानकर बदलाव की मानसिकता बना रहे हैं. पांच करोड़ रूपए की विकिास निधि से साईंनगर के कृष्णार्पण कॉलोनी के पुल से सरबेरे बंधू किराणा से विट्ठल मंदिर तक के रास्ते का मजबूतीकरण और पेविंग ब्लॉक लगाने,साईं नगर से स्वस्तिक नगर में नंदा मोटर्स से अरविंद गोरे के घर तक पेविंग ब्लॉक बैठाने, घनश्याम नगर से सिद्धि विनायक कॉलोनी में रास्ते के मजबूती करण तथा पेविंग ब्लाक बैठाने, प्रभाग के साईं नगर के

प्रसाद नगर में पेविंग ब्लाक बैठाने के काम का भूमिपूजन होकर इन सभी कामों की शुरूवात हो गई है. लगातार विकास कामों के कारण सचिन भें डे की सराहना के साथ ही उन्हें प्रभागवासियों का साथ भी मिल रहा है. स्वार्थ स्वविकास की बजाय प्रभाग के सर्वां गीण विकास का होना चाहिए. आदर्श नगर सेवक के व्यक्तित्व में कुछ विशेष गुण होने आवश्यक है. नगर सेवक का मूल उद्देश्य जनता की सेवा होना चाहिए. सचिन भें डे का विकास का जहां विजन है, वहीं दूसरी ओर बिना किसी पद पर रहते हुए भी करोड़ों रूपए का विकास काम उन्होंने किया है. ऐसे में लोगों के मुताबिक जो बिना किसी पद पर रहते हुए इस तरह विकास की गंगा बहा सकता है, उन्हें मौका मिलने पर निश्चित ही वे बेहतरीन काम करेंगे. वह राजनीति को लाभ का साधन न मानकर, समाज सुधार का माध्यम मानते हैं. उनके मुताबिक लोगों का अपार प्रेम उन्हें प्रभाग में पिछले दस साल से मिल रहा है. विकास के साथ ही क्षेत्रवासियों के सुख-दुःख में मदद के लिए वे जहां दौड़ते हैं, वहीं लोगों का अपार प्रेम, विश्वास और चाहत ही उनकी सबसे बड़ी दौलत रहने की बात कही. उन्होंने कहा कि साईंनगर प्रभाग को वे विकास के मामले में सबसे आगे रखने का निरंतर प्रयास करेंगे. वे सभी का सहयोग और विश्वास प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर हैं.

डॉ.बाबासाहब ने दिया था समता-बंधुता का संदेश-अरूण पडोले

अमरावती- देश में करोड़ों लोगों, दीन-दलितों और पीड़ितों के जीवन को बदलने का महान कार्य संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ.बाबासाहब आंबेडकर ने किया. उन्हों ने जीवन में सदा आगे बढ़ने के साथ ही जीवन में कभी हार नहीं मानने और संघर्ष से सफलता का मंत्र समूचे कमजोर वर्गों को दिया.साथ ही यह भी बताया कि बिना ज्ञान,संघर्ष के हम आगे नहीं बढ़ सकते हैं. हमें डॉ.बाबासाहब आंबेडकर के विचारों को जीवन में अपनाते हुए सदैव आगे बढ़ना चाहिए, इस आशय का मौलिक संदेश शिवसेना शिंदे गुट के जिला प्रमुख, शिवसेना जिला समन्वयक, नियोजन समिति के सदस्य तथा क्रेशर एसोसिएशन के अध्यक्ष युवा नेता अरूण पडोले ने दिया. धम्मचक्र प्रवर्तन दिन पर भारतरत्न डॉ.बाबासाहब आंबेडकर को कोटि-कोटि वंदन करते हुए सभी को इस पर्व की शुभकामनाएं दी. उनके मुताबिक जीवन में सभी को आगे बढ़ने का मूलमंत्र उन्हों ने दिया था.

धम्म चक्र प्रवर्तन दिन भारत का एक ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी पर्व बताते हुए इसकी विभिन्न खूबियों को भी उन्होंने गिनाया. यह दिन 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर के दीक्षाभूमि पर डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर द्वारा अपने अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म की दीक्षा लेने की स्मृति में मनाया जाता है. इस दिन भारत में सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक इतिहास की एक नई धारा प्रवाहित हुई. इस प्रयास ने लाखों लोगों के जीवन को बदलने का काम किया.

डॉ. आंबेडकर ने बौद्ध धर्म अपनाकर अस्पृश्यता, जातिवाद और सामाजिक विषमता के खिलाफ एक नई राह दिखाई. यह दिन मानवता, समानता और भाईचारे का प्रतीक है. राष्ट्र की मजबूती में इसका सबसे अधिक महत्वपूर्ण स्थान हुआ.

धम्म चक्र प्रवर्तन का अर्थ है धर्म के चक्र को गति देना. बुद्ध के धम्म सिद्धांत को जनमानस तक पहुँचाना और उसके अनुरूप जीवन जीना ही इस दिन की वास्तविक विशेषता है. उनके मुताबिक यह केवल धार्मिक दीक्षा का दिन नहीं बल्कि सामाजिक क्रांति का दिन भी है, जिसने करोड़ों लोगों को आत्म-सम्मान और नई पहचान दी.इसने करोड़ों लोगों के जीवन में स्वाभिमान के माध्यम से स्वयं का अस्तित्व तैयार करने की प्रेरणा दी.

इस दिन देश-विदेश से लाखों लोग नागपुर की दीक्षाभूमि पर एकत्रित होते हैं. यहाँ विशाल धम्म सभा, उपदेश, ध्यान व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं.यह दिन न्याय, करुणा, मैत्री और अहिंसा पर आधारित समाज निर्माण के संकल्प का स्मरण कराता है.

शिवसेना के जिला प्रमुख अरूण पडोले सामाजिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं. धम्म चक्र प्रवर्तन दिन की विशेषता यह है कि यह दिन जातिगत भेदभाव से मुक्त, समानता और मानवता पर आधारित समाज की स्थापना का प्रतीक बताते हुए इस दिन विशेष पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी की प्रगति की कामना की.

501 कन्याओं का पूजन,शालेय साहित्य प्रदान

विदर्भ स्वाभिमान,1 अक्तूबर

अमरावती, 1 अक्टूबर- त्रिदेवीयों का एक ही मंच पर दर्शन का लाभ देने वाली गांधी चौक स्थित पंचदीप नवरात्री महोत्सव समिती द्वारा स्थापित 25 फीट उंची मां की प्रतिमा सभी के आकर्षण का केंद्र बनी है. गुरूवार को मां के दरबार में नवमी के दिन समिती की ओर से कन्या पूजन का लाभ लिया गया. दानदाताओं के सहयोग से करीब 501 कन्याओं को भोज करवाकर उन्हें शैक्षणिक साहित्य भेट स्वरूप प्रदान किये गये. स्थानीय गांधी चौक स्थित पंचदीप नवरात्री महोत्सव समिति द्वारा लगातार 32 वर्षो से मां की सेवा की जा रही है. इस सेवा कार्य में मां की हर दिन आराधना के साथ इस नवरात्री के 9 दिनों का महत्व भी विशेष रूप से ध्यान में रखा जा रहा है. समिती की ओर से मध्यप्रदेश के इंदौर नगरी में स्थित शिशमहल की झांकी में स्थापित मां की प्रतिमा के साथ मां के कन्या स्वरूप का भी दर्शन सभी को करवाया. हर कन्या में मां का वास होता है. इसी बात को ध्यान में रखते हुए गुरूवार को नवमी के दिन मां के कन्या स्वरूप अर्थात कन्याओं की पूजा की गई. सर्वप्रथम सभी 501 कन्याओं के पैर धोकर उन्हें चुनरी ओढी गई. पश्चात कुमकुम तिलक लगाकर उनका पूजन किया गया. पश्चात भोजन प्रसादी वितरित की गई. भोजन ग्रहन करने के पश्चात सभी कन्याओं को समिती की ओर से शैक्षणिक साहित्य की भेटवस्तुएं प्रदान की गई. ताकि उन्हें यह भेटवस्तुएं दिनचर्या में काम आ सके. बता दे कि इस कन्या पूजन के लिए हर दिन आने वाले भक्तों द्वारा दी गई दानराशी के साथ समिती सदस्यों द्वारा दिये गये आर्थिक सहयोग का इस्तेमाल किया जाता है. समिति द्वारा स्थापित मां की प्रतिमा हर साल 25 फुट रखी जाती है. इसके साथ इस वर्ष मंडल की ओर से 32वे वर्ष को ध्यान में रखते हुए इंदौर के शिश महल की प्रतिमा साकार की गई है. जो अपने आप में अनोखा स्वरूप है. अध्यक्ष विनय शिंगरे, उपाध्यक्ष अभिषेक पंजापी एवं सचिव राजेश साहू

पंचदीप नवरात्री महोत्सव समिति का नवरात्रोत्सव

व टीम द्वारा 9 दिनों तक मां की आराधना के साथ विविध सामाजिक उपक्रमों का आयोजन किया जाता है. शनिवार, 4 अक्टूबर को मां का विधिविधान से विसर्जन किया जायेगा.समिति की राणी राजगुरे, नितु राजगुरे, प्रीति सरवैय्या, शीतल सरवैय्या, करीष्मा पिंपलकर, रंजना उमरवैश्य, पूर्वा शिरभाते, प्रिया उमरवैश्य, नेहा उमरवैश्य, दिशा गुल्हाने, अकला नागरिया, सुषमा बिजोरे, सुनीता राजगुरे, सपना गुल्हाने, प्रियंका घुरडे, कल्पना नंदनवार, कीर्ति हरणखेडे, निशा डोलस, श्वेता पनपालिया के साथ पंचदीप नवरात्री महोत्सव समिति अध्यक्ष विनय सिंगरे, उपाध्यक्ष अभिषेक पंजापी के साथ शिवानंद चौधरी, रवी गुप्ता, डॉ. आशिष येवतिकर, संकेत घाडगे, विशाल कपिले, गौरव हरनखेडे, शिव बोरकर, तुषार यावले, जय ठाकूर, सिद्धांत बिजोरे, शिवलिंग गरड, अभिषेक गुल्हाने, ओम सरवैय्या, संचित लाखे, सुमित उमरवैश्य, प्रवीण घुरडे, रोहित नंदनवार, सुमित घोलप, राजेश राजगुरे, अभिनव पिंपळकर, आशिष सरवैय्या, सागर शिरभाते, अमित उमरवैश्य, मोनू देसाई, अमर पिंपळकर, राजु अगरवाल, राजेश चांडक, राजेश राजगुरे, अमित उमरवैश्य प्रवीण घुरडे, मोनु देसाई, रोहित नंदनवार, सुमीत उमरवैश्य, संकेत घाडगे, सागर शिरभाते, मनीष सरवैय्या, अवनीश डोलस, सुमीत घोलप, योगेश ठाकुर, शिव बोरकर, निलेश शिरभाते, राहुल गुल्हाने, डॉ. तुषार गुल्हाने, राजेश चावडे, राजकुमार अग्रवाल, मोरु श्रीवास, निकलेश पिंपलकर, सतिश बिलबिले, शरद नागरिया, संचित लाखे, अक्षय विलायतकर, सचिन पेठे, अभिनव पिंपलकर, शुभम विंचुरकर, जितेंद्र अमरवैश्य, अभिजीत बारसकर, आलोक मंत्री, लकीश पनपालिया, बादल श्रीराव के साथ अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे.

जय अंबे,सार्वजनिक महिला दुर्गोत्सव का महाप्रसाद 4 को

अमरावती- अंबाविहार स्थिति जय अंबे दुर्गोत्सव मंडल तथा पुरूषोत्तम नगर के सार्वजनिक महिला नवदुर्गोत्सव मंडल द्वारा नवरात्रि में 9 दिनों तक मां दुर्गा की आराधना की गई. दोनों ही मंडलों ने स्थापना के 25 साल पूरा किया है.इस उपलक्ष्य में 4 अक्तूबर को भव्य महाप्रसाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. भक्तों से इसका लाभ लेने का आग्रह किया गया है. इसी तरह कंवर नगर के शिव नवदुर्गा उत्सव मंडल में भी विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम लिया गया. गुफा में माता-रानी के 9 रूपों के दर्शन के साथ कालभैरव और आरंभ में प्रवेश से पूर्व विघ्नहर्ता के दर्शन का सौभाग्यभक्तों को मिला है. जय अंबे दुर्गा उत्सव मंडल के रूप में सामने आया. बाद में सब व्यस्त रहने के बाद भी क्षेत्र के युवाओं ने इस कमान को संभाला और उनका भी सहयोग कायम रहा.आज भी हर साल यहां पर माता रानी की आराधना होकर मातामय माहौल हो जाता है. महाप्रसाद का भी भक्तों से लाभ लेने का आग्रह किया गया है.

रविनगर के अलावा क्षेत्र में दुर्गा स्थापना और पूजन का श्रेय रहने वाले जय अंबे दुर्गोत्सव मंडल की मां की आराधना को 24 साल पूरा हो गया है. इस साल 25 वां साल यानी सिल्वर ज्युबली रहने के कारण मंडल में अपार उत्साह है. धार्मिक के साथ ही विभिन्न सामाजिक उपक्रम लेने, बच्चों के लिए स्पर्धा जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करने की जानकारी गौरव शेटे तथा सहयोगियों ने दी. सफलतार्थ गौरव शेटे, वैभव तल्हार, हर्षल काले, अक्षय मांडवगणे, रोहित पाचंगे, सागर काले, अंकुश उर्फ गोलू काले, राहुल मावले, हर्षल माथुरकर, वैभव काले, रितेश दुबे, करण बोडखे, शुभम ठाकरे, स्वप्निल कपिल सहित क्षेत्रवासी प्रयास कर रहे हैं.पुरूषोत्तम नगर में भी 4 अक्तूबर को महाप्रसाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. इसके लिए रंजना शेलके, रेखा ढोले, दांडगेताई, शीतल,राऊत सहित क्षेत्रवासी प्रयास कर रहे हैं. भक्तों से लाभ लेने का आग्रह किया.

विदर्भ स्वाभिमान

आवश्यक नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444
साइबर अपराध	1930

मानवाधिकार में पाक का रिकार्ड सबसे घटिया-भारत

नई दिल्ली- जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 60वें सत्र में भारत ने पाकिस्तान को मानवाधिकारों पर आईना दिखाया और उसकी दोहरी नीति की कड़ी आलोचना की. भारत ने यह उजागर किया कि पाकिस्तान में किस तरह अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न किया जा रहा है. मानवाधिकारों पर उसका कितना खराब रिकार्ड है और वह इस मुद्दे पर उपदेश दे रहा है.भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए राजनयिक मोहम्मद हुसैन ने कहा कि यह कितना विडंबनापूर्ण है कि एक ऐसा देश, जिसका मानवाधिकार रिकार्ड सबसे खराब है, वह दूसरों को उपदेश देने का प्रयास कर रहा है. उन्होंने कहा, 'वे भारत के खिलाफ झूठे आरोपों के साथ इस मंच का दुरुपयोग करते हैं. इससे केवल उनकी दोहरी नीति उजागर होती है.हुसैन ने यह भी कहा कि पाकिस्तान को दुष्प्रचार के बजाय अपने यहां अल्पसंख्यकों के खिलाफ सरकार प्रायोजित उत्पीड़न और सुनियोजित भेदभाव से मुकाबला करना चाहिए. भारतीय राजनयिक ने जवाब देने के अधिकार के तहत पाकिस्तान को करारा जवाब दिया.

विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

विदर्भ स्वाभिमान आजादी का अमृत महोत्सव आचार-विचार वाला अखबार

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है. मेहनती ही संपर्क करें.

- संपर्क -
विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय
छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती.
मो. 9423426199, 8855019189

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क
9423426199/8855019189

अचूक निदान में वरदान है जीआरडीसी,दो मशीनें आयी

बहुगुणी स्वास्थ्य जांच मशीन अमरावती में,डॉ.पंकज घुंडियाल की शानदार पहल

एक जापान और दूसरी जर्मनी से भारत में पहली बार पहुंची,5 से सेवा शुभारंभ

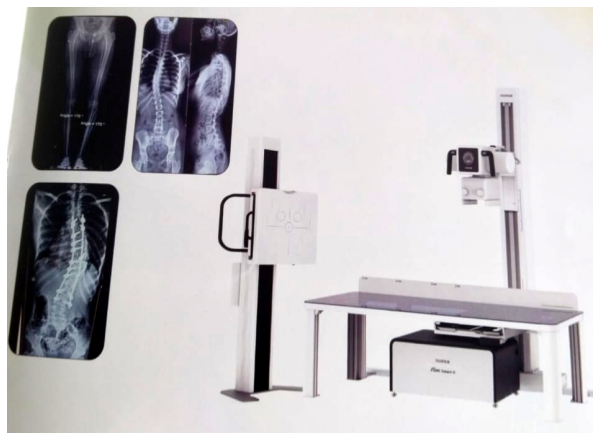

विदर्भ स्वाभिमान,1 अक्तूबर

अमरावती- अचूक स्वास्थ्य जांच के मामले में न केवल शहर बल्कि विदर्भस्तर पर सबसे अग्रणी मुधोलकर पेठ स्थित घुंडियाल रेडियो डायग्नोस्टिक सेंटर ने फिर इतिहास रच दिया है. विश्वस्तरीय दो मशीनें जापान और जर्मनी से लाई हैं, इससे अत्यल्प रेडिएशन के साथ अचूक जांच होकर गंभीर किस्म तथा हड्डियों से संबंधीत बीमारियों का निदान होने में मदद मिलेगी. मशीन इन्स्टॉल होकर इसका शुभारंभ 5 अक्तूबर को होने जा रहा है. डॉ. पंकज घुंडियाल की इस पहल की सराहना के साथ ही उनका सर्वत्र अभिनंदन किया जा रहा है.जीआरडीसी द्वारा सदा वैद्यकीय सेवा के क्षेत्र में क्रांति करने का प्रयास किया गया है, मरीजों तथा डाक्टरों का विश्वास जीतने में सफल रहा है, यह दोनों मशीनें स्वास्थ्य क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होने और जिले के लिए लाभदायी होने का विश्वास डॉ.पंकज घुंडियाल ने व्यक्त किया.अचूक स्वास्थ्य जांच कुछ ही मिनट में करने वाली आधुनिकतम सीमेंस सोमाटोम गो अप 192 स्लाइस सिटी स्कैन वीबी 10 जर्मनी से बुलाई गई है. जबकि फुजीफिल्म एफडीआर स्मार्ट एक्स डिजिटल एक्सरे मशीन जापान से बुलाई गई है. दोनों ही मशीने विश्वस्तरीय और अचूक जांच के लिए सुख्यात हैं. कम से कम रेडिएशन और समय में मरीज की अचूक जांच इनसे हो सकेगी. 5 अक्तूबर को इसका शुभारंभ होने की जानकारी डॉ.पंकज घुंडियाल ने दी. उन्नत फीचर्स वाला सिटी स्कैनर अमरावती में लाया है. यह मशीन जहां अनगिनत खूबियों से युक्त है, वहीं दूसरी ओर अल्प समय में अचूक जांच के साथ एक ही साथ कई जांच करने में सक्षम है. इस पहल के लिए डॉ. पंकज घुंडियाल का सर्वत्र अभिनंदन किया जा रहा है. सीमेंस एक सिंगल-सोर्स सीटी स्कैनर प्लेटफॉर्म है, जो प्रीवेंटिव केयर और क्लीनिकल रूटीन के लिए उन्नत फीचर्स प्रदान करता है. इसमें एआई पावर्ड ऑटोमेशन,डोज़ रिडक्शन टेक्नोलॉजी और एक मोबाइल वर्कफ़्लो शामिल है, जिसे मरीज और ऑपरेटर दोनों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है.सीमेंस हेल्थिनियर्स के अनुसार यह स्कैनर जटिल जांच को आसान बनाकर क्लीनिकल रूटीन का हिस्सा बनाने, आपके सीटी व्यवसाय को बढ़ाने और कम रेडिएशन डोज़ के साथ बेहतर मरीज अनुभव देने में सक्षम रहता है. अमरावती के लिए यह गौरव की बात है कि आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त इस मशीन का पहला आर्डर डॉ.पंकज घुंडियाल ने दिया और अमरावती वैद्यकीय क्षेत्र में क्रांति साबित होने वाली यह मशीन यहां पहुंची है.

एआय पावर्ड ऑटोमेशन-यह सिस्टम एआय सक्षम स्कैन ऑटोमेशन और क्लीनिकल फीचर्स से लैस है. विभागीय प्रक्रियाओं को मानकीकृत और सरल बनाती है. बार-बार दोहराए जाने वाले कार्यों को कम कर ऑपरेटर को मरीज पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का अवसर देता है.इस आधुनिकतम जांच मशीन में उन्नत डोज़ रिडक्शन तकनीकों का उपयोग किया गया है, इससे मरीज को बेहतरीन परिणाम मिलने के साथ ही अचूक जांच होती है. उच्च गुणवत्ता वाली इमेज प्रदान करते हुए मरीज को रेडिएशन एक्सपोज़र से न्यूनतम स्तर पर बचाता है. इसमें एक अनूठा मोबाइल वर्कफ़्लो है, जो अधिक लचीलापन और गतिशीलता प्रदान करता है. स्वास्थ्यकर्मी मरीजों के और करीब रहकर अधिक व्यक्तिगत देखभाल कर सकते हैं. यह स्कैनर उन्नत क्लीनिकल परिणामों को आसानी से उपलब्ध कराता है. इससे मरीजों को बेहतरीन तथा अचूक जांच का नतीजा मिलता है, साथ ही समय की भी बचत होती है. प्रीवेंटिव केयर को नियमित कार्यप्रवाह का हिस्सा बनाता है. साथ ही सीटी व्यवसाय को विस्तार देने में मदद करता है.बेहतर मरीज अनुभव-तेज़ स्कैन टाइम और मरीज के साथ अधिक समय बिताने की सुविधा देता है.जांच के दौरान समग्र मरीज अनुभव को सुधारता है.सोमाटोम गोअप में माय एक्झाम कम्पेनियन का इंटीग्रेशन है. यह मरीज के अनुभव को और बेहतर बनाता है. ज्ए 10 संभवतः तकनीक का वर्ज़न 10 है. यह एक सॉफ़्टवेयर या इमेजिंग सॉल्यूशन है, जो इसकी कार्यक्षमता और प्रदर्शन को और उन्नत करता है.शुभारंभ कार्यक्रम में संबंधितों से उपस्थित रहने का आग्रह डॉ.घुंडियाल और सहयोगियों तथा टीम के सभी सदस्यों ने किया है. अमरावती की शान में उनका यह प्रयास न केवल क्रांति बल्कि गौरव कहना गलत नहीं होगा.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटस्चे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट
संजय
एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.
शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य
1350 फुट बांधकाम
संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450